दैनिक जागरण
बरेली, बुधवार
5 मार्च, 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16+4=20

कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी से मिला गुणवत्तापूर्ण जीवन

- एसआरएमएस मेडिकल कालेज में सर्जरी के बारे में दी जानकारी, किया जागरूक
- सर्जरी के बाद सुनने और बोलने में सक्षम हुए बच्चों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

जासं, बरेली : एसआरएमएस मेडिकल कालेज में विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम हुआ। ईएनटी एंड एचएनएस विभाग द्वारा चेंज इन माइंडसेटः इंपावरिंग योरसेल्फ (मानसिकता में बदलाव से खुद को सशक्त बनाएं) टैग लाइन से आयोजित कार्यक्रम में कोक्लियर इंप्लांट के बाद सुनने और बोलने में सक्षम हुए बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने केक काटा और फिर श्लोक, गाने, कविता सुनाई। मूक बधिरता के उन्मूलन के लिए सभी को जागरूक किया। संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति ने बच्चों को गिफ्ट देकर प्रोत्साहित किया।

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में वर्ल्ड हियरिंग डे पर आयोजन • जागरण

मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति ने कहा कि एक कोक्लियर इम्प्लांट सर्जरी में करीब 6-7 लाख रुपये का खर्च आता है। इस कारण ज्यादातर माता-पिता अनदेखी कर देते हैं, जिससे बच्चे जिंदगी भर के लिए मूक-बधिर हो जाते हैं। वर्ष 2016 में एसआरएमएस में कोक्लियर इंप्लांट कार्यक्रम शुरू हुआ। सरकार ने अपने कोक्लियर इंप्लांट कार्यक्रम में एसआरएमएस को शामिल किया है जिससे जरूरतमंद बच्चों का आपरेशन कर उनकी जिंदगी को गुणवत्तापूर्ण बनाया जा रहा है। एसआरएमएस में अब तक 35 बच्चों की कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी की जा चुकी है। बच्चों के लिए यहां पर स्क्रीनिंग कार्यक्रम भी संचालित है। यहां पैदा होने वाले सभी बच्चों की स्क्रीनिंग की जाती है।

प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला ने कहा कि कान के अंदरूनी हिस्से कोक्लिया में हजारों कोशिकाएं होती हैं जो ध्वनि तरंगों को इलेक्ट्रिकल सिग्नल में बदलती हैं। इन्हीं इलेक्ट्रिकल सिग्नल को बाद में श्रव्य तंत्रिका प्राप्त करती है, जो संदेश को दिमाग तक पहुंचाती है। इसमें दिक्कत होने पर हमारी सुनने की क्षमता प्रभावित होती है। इससे पूर्व प्रोफेसर (डा.) रोहित शर्मा ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन सर्जरी के बाद स्वस्थ हुई बच्ची प्रियांशी प्रजापति ने किया। डा. ममता वर्मा ने सभी को धन्यवाद दिया। इस दौरान डा. आशीष मेहरोत्रा, डीन यूजी डा. बिंदू गर्ग, डीएसडब्ल्यू डा. क्रांति कुमार, सभी विभागाध्यक्ष, डाक्टर व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।